Synergy

BSES YAMUNA | नवम्बर - दिसम्बर, 2005 | BSES RAJDHANI

बिजली चोरी के खिलाफ बीएसईएस के अभियान में शामिल हों

क्या आप जानते हैं कि दिल्ली में कुल बिजली का 25 प्रतिशत चोरी चला जाता है. बिजली चोरी के बारे में यह आंकड़ा दिल्ली को देश की बिजली चोर राजधानी के रूप में परिभाषित करता है. बिजली चोरी से होने वाले नुकसान की बात करें, तो सिर्फ़ एक प्रतिशत बिजली की चोरी से ही बीएसईएस को सालभर में 60 करोड़ रुपए का नुकसान होता है.

बिजली चोरी की वजह से तकनीकी व व्यावसायिक घाटा (एटी एंड सी लॉस) बढ़ता है और अंततः कीमतों में वृद्धि के लिए दबाव बढ़ना शुरू हो जाता है.

2002 में दिल्ली में बिजली वितरण व्यवस्था में कदम रखने के बाद बीएसईएस ने तकनीकी व व्यावसायिक घाटे को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू कर दिए (नीचे बॉक्स देखें). बीएसईएस ने अपने सिस्टम को दुरुस्त बनाकर इस घाटे को कम किया है. इसमें झुग्गी बस्तियों और अनाधिकृत कॉलोनियों में हाई वॉल्टेज डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम (एचवीडीएस) लगाना भी शामिल है. साथ ही, बिल्कुल सटीक डिजिटल मीटर लगाए जा रहे हैं, पुराने ट्रांसफॉर्मरों को बदला गया है व ग्रिड सब-स्टेशनों को स्टेट ऑफ द आर्ट टेक्नोलॉजी के साथ दुरुस्त किया गया है.

इन प्रयासों के बावजूद एटी एंड सी लॉसेज को कम करने में बिजली चोरी सबसे बड़ी बाधा बन रही है. यदि इतने बड़े पैमाने पर बिजली चोरी नहीं हो रही होती, तो एटी एंड सी लॉसेज की काफी कम किया जा सकता था. यहां यह बताना जरूरी है कि बिजली कानून और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत बिजली चोरी एक अपराध है.

बिजली की चोरी इसे कहते हैं :

- जिस उद्देश्य के लिए कनेक्शन लिया गया है, उसके अलावा किसी और काम के लिए बिजली का इस्तेमाल
- मीटर धीमा करने के इरादे से बिजली मीटर के साथ छेड़छाड़
- किसी वस्तु या तार को क्षतिग्रस्त करना, ताकि मीटर की वास्तविक रीडिंग को प्रभावित किया जा सके
- बीएसईएस वितरण सिस्टम से गलत तरीकों से बिजली लेना

बिजली की चोरी से बिजली की कीमतों में वृद्धि होती है और इससे आप जैसे ईमानदार उपभोक्ता पर भी असर पड़ता है.

बिजली चोरी को रोकने में बीएसईएस आपकी मदद चाहती है. बिजली चोरों के खिलाफ बीएसईएस के अभियान में आप भी शामिल हों. आप अपने आसपास हो रही बिजली चोरी के बारे में बीएसईएस एन्फोर्समेंट टीम को बताकर हमारी सहायता कर सकते हैं. 39999 777 पर यह जानकारी दी जा सकती है या फिर हमारे किसी भी डिविज़न कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है.

डीईआरसी के मुताबिक एटी एंड सी लॉसेज का प्रारंभिक स्तर (%)	बीआरपीएल		बीवाईपीएल	
	48.10%		63.10%	
वर्ष (%)	लक्ष्य स्तर	प्राप्त	लक्ष्य स्तर	प्राप्त
2002-2003	47.55	47.40	56.45	56.45
2003-2004	46	45.06	54.7	54.29
2004-2005	42.70	40.64	50.70	50.12

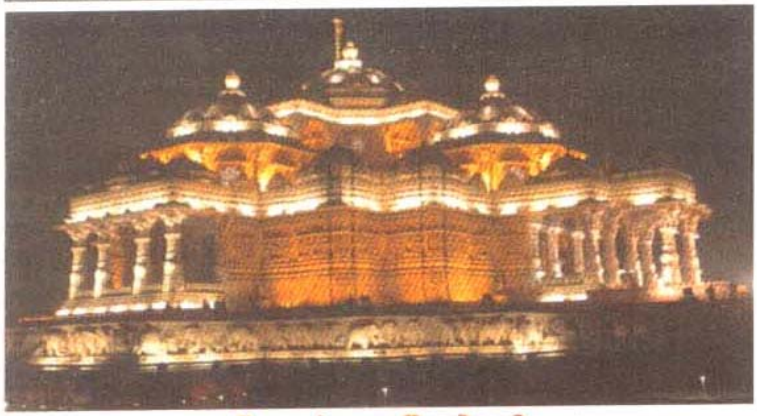

बीएसईएस की ओर से दीवाली, ईद और क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं

घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं के लिए बिजली की घटी दरें लागू

जैसा कि बीएसईएस ने वादा किया था, इस 1 नवम्बर से घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए बिजली की नई व घटी दरें व्यावहारिक रूप से लागू हो गई हैं. पिछली 15 जुलाई 2005 से बढ़ी दरें लागू की गई थीं और उपभोक्ताओं से उसी हिसाब से भुगतान भी लिया गया था. लेकिन अब उन बढ़ी दरों को समायोजित कर नई दरों के हिसाब से उपभोक्ताओं के पास बिजली बिल भेजे जा रहे हैं.

बिजली की बढ़ी दरों का यह समायोजन दिल्ली सरकार और दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के निर्देशों के तहत हुआ है. सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए नई व घटी हुई बिजली दरें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की सब्सिडी और बिजली वितरण कंपनी के सहयोग से लागू होंगी. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की सब्सिडी से संभव हो पा रही हैं.

यह समायोजन एक साल की अवधि या फिर डीईआरसी द्वारा दरों के बारे में जारी अगले आदेश (इनमें से जो भी पहले आए) तक के लिए है.

इसलिए इस अवधि में कृपया कम भुगतान करने का लाभ उठाएं.

हाल में चलाए गए मीटर जांच अभियान (इलैक्ट्रॉनिक मीटर)

अभियान	जांच किए गए मीटर		तेज मीटर	
	बीआरपीएल	बीवाईपीएल	बीआरपीएल	बीवाईपीएल
सीपीआरआई साइट टेस्टिंग डेटा	620	508	0	1
दिल्ली सरकार-एसडीएम अभियान	634	795	0	1
डीईआरसी अभियान	54	32	1	0
बीएसईएस मीटर जांच कैंप्स	1464	969	1	0

* जितने भी इलैक्ट्रॉनिक मीटरों की जांच की गई, उनमें से 99.92 प्रतिशत मीटर लिमिट के अंदर पाए गए.
* जो भी मीटर तेज पाए गए, उनमें से कोई भी मीटर तय नियमों से +5.5 प्रतिशत से अधिक तेज नहीं मिला.

इंटरनल वायरिंग और अर्थ लीकेज : आपको लगा रहे हैं चूना

बिजली की बात होने पर कभी भी इंटरनल वायरिंग और अर्थ लीकेज का ज़िक्र नहीं होता था. हमें तो बस स्विच ऑन और स्विच ऑफ से मतलब होता था. लेकिन जिस तरह से हमारी ज़िंदगी में नई तकनीकों का आगमन हो रहा है, ऐसे में इंटरनल वायरिंग और अर्थ लीकेज जैसी चीजों को सिर्फ़ तभी नजर अंदाज कर सकते हैं, जब हम ख़तरे व आर्थिक नुकसान झेलने के लिए तैयार हों.

इसलिए, प्रिय उपभोक्ता, हम आपको सलाह देंगे कि घरों की इंटरनल वायरिंग और अर्थ लीकेज को चेक कराएं. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको अपनी सुरक्षा और बिजली की गलत खपत आदि से जूझना पड़ सकता है.

भारत सरकार की सलाह पर बीएसईएस द्वारा लाए जा रहे नए स्टेट-ऑफ-द-आर्ट इलैक्ट्रॉनिक मीटर में कई ख़ासियतें हैं. उन ख़ासियतों में से एक यह भी है कि इन मीटरों को गलत वायरिंग का पता चल जाता है और वे इसे दर्शाते भी हैं. ऐसा ही एक संकेत है इलैक्ट्रॉनिक मीटर में ईएल एलईडी की बत्ती का जलना.

यदि ईएल एलईडी की बत्ती जले, तो इसका मतलब है:

- अर्थ को न्यूट्रल के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है
- न्यूट्रल अर्थ को छू रहा है
- आपकी फेज वायर पड़ोसियों की फेज वायर को छू रही है
- आपकी न्यूट्रल वायर पड़ोसियों की न्यूट्रल वायर को टच कर रही है

गलत वायरिंग से अन्य चीजों के अलावा ये नुकसान हो सकते हैं :

- सुरक्षा को ख़तरा (मुख्य स्विच के ऑफ होने पर भी तार में करंट आता है)
- आग लग सकती है (यदि गलती से फेज और न्यूट्रल वायर आपस में इंटरचेंज हो जाएं, तो)
- गलत खपत (पड़ोसियों का करंट भी आपके मीटर में आ सकता है)

इसलिए आप कृपया अपनी इंटरनल वायरिंग चेक कराएं, ताकि कोई लीकेज और दूसरी तरह की समस्याएं न रह जाएं. साथ ही ईएल एलईडी को भी ध्यान से देखें. इलैक्ट्रॉनिक मीटर में ईएल एलईडी हालांकि काफी छोटी चीज है, लेकिन है बेहद महत्वपूर्ण. उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे इसकी उपयोगिता को नजर-अंदाज न करें.

अधिक जानकारी के लिए आप बीएसईएस की वेबसाइट www.bsesdelhi.com पर लॉगऑन कर सकते हैं या फिर हमारे ग्राहक सहायता केंद्रों में आ सकते हैं.

बीएसईएस हेल्पलाइन नंबर्स

पॉवर सप्लाई : 5289 5555 & 5289 5556

बिलिंग : 39999 707

मीटर : 39999 733

एंटी–करप्शन : 39999 777